



GST NO. 07AAACE1747M1ZJ

CIN U20299DL1986 NPL023253

EXPORT PROMOTION COUNCIL FOR HANDICRAFTS

EPCH HOUSE, POCKET 6 & 7, SECTOR 'C', LOCAL SHOPPING CENTRE, VASANT KUNJ, NEW DELHI-110070
Tel: 91-11-26135256
Fax: 91-11-26135518,26135519

Email: press@epch.com
web: www.epch.in

PRESS RELEASE

EPCH ORGANIZED VIRTUAL AWARENESS WEBINAR ON “HOW TO INCREASE PROFIT IN YOUR POCKET BY USING - SOLAR ENERGY” FOR MEMBER EXPORTERS

NEW DELHI – 23rd July’2021 - The Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) today successfully organized an awareness webinar virtually on “**HOW TO INCREASE PROFIT IN YOUR POCKET BY USING - SOLAR ENERGY**” on zoom platform. Mr. Ravi K Passi, Immediate Past Chairman-EPCH and a large number of member exporters’ from PAN India like Jaipur, Jodhpur, Moradabad, Mumbai, North-East States, Delhi NCR, Narsapur, Bangalore etc. alongwith Ms Ruchi Bhambri Guest Faculty and Mr. Naveen Nagpal from BSES as Key Guest faculties were present in the above awareness webinar session. Ms Ruchi Bhambri Guest Faculty and Mr. Naveen Nagpal shared his vast experience in the field of sustainable Solar Energy, informed by Dr. Rakesh Kumar, Director General-EPCH.

During webinar, Ms Ruchi Bhambri, Guest Faculty informed about harnessing the importance of Solar energy as it has become viable option for consumers and businesses as technology has advanced and the cost has fallen and there are many ways to profit from solar energy both when fuel, oil prices are low and when the price of oil rises in the future. Ms. Bhambri told the participants that Solar energy typically works by converting light energy from the sun into electricity. Photovoltaic (PV) energy is created by using flat solar panels that can be affixed to a structure's roof or arrayed across open spaces. Another method, known as thermal solar, uses a series of mirrors to focus the sun's energy on a single point to turn water into steam, which then turns a turbine. For consumer and business applications, photovoltaic solar panels are much more common than other types.

Ms Bhambri further mentioned during webinar that most Factories run during the day time and the electricity cost as per TOD (Time of Day) charges are highest in the afternoon and this is also the best time to get maximum generation through solar power. In case an exporter wishes to expand his works or business, he would be required to increase the Load, that will add to the cost of getting new cables, SLDC Cost and also a fixed recurring cost will increase instead he can add a solar power plant where we can get the extra load power through solar , so no fixed cost or any MDI penalties. Factories have idle roof top, which makes it ideal for solar plant installation and in fact it would also reduce the temperature in the shed below.

Follow us on #epchindia



Mr. Ravi K. Passi, Immediate Past Chairman-EPCH said that most state governments offer some sort of tax subsidy or grants to encourage more widespread solar panel usage. As a result, the final cost after installation may be less than the sticker price.

Mr. R. K. Verma, Executive Director-EPCH said that Solar power is becoming more affordable and more efficient at turning the sun's energy into usable electricity. For those seeking an investment option in the solar power, solar energy is a good option. People can also profit from solar energy by having solar panels installed on their own homes or businesses in order to take advantage of Solar energy to reduce utility bills..

For more information, please contact :
EPCH - +91-98104 23612



प्रेस विज्ञप्ति

ईपीसीएच ने सदस्य नरियातकों के लिए जागरुकता वेबिनार “ हाउ टु इंक्रीज प्राँफिटि इन योर पाँकेट बाय यूजगि- सोलर एनर्जी”

नई दिल्ली- 23 जुलाई 2021- हस्तशिल्प नरियात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच) ने जूम प्लेटफार्म पर सदस्य नरियातकों के लिए वर्चुअल मोड पर जागरुकता वेबिनार “हाउ टु इंक्रीज प्राँफिटि इन योर पाँकेट बाय यूजगि-सोलर एनर्जी” का सफल आयोजन किया। इस आयोजन में ईपीसीएच के हाल में अध्यक्ष रहे श्री रवि के पासी और जयपुर, जोधपुर, मुरादाबाद, मुंबई, उत्तर-पूर्वी राज्यों, दिल्ली एनसीआर, नरसापुर, बैंगलोर समेत देश के कोने कोने से बड़ी संख्या में सदस्य नरियातक मौजूद रहे। इनके साथ ही अतिथि संकाय के रूप में सुश्री रुचि भांबरी और बीएसईएस के श्री नवीन नागपाल मुख्य अतिथि संकाय के रूप में उपरोक्त जागरुकता वेबिनार सत्र में उपस्थित थे। ईपीसीएच के महानिदेशक डॉक्टर राकेश कुमार ने जानकारी दी कि सुश्री रुचि भांबरी अतिथि संकाय और श्री नवीन नागपाल ने स्थायी सौर ऊर्जा के क्षेत्र में अपने विशाल अनुभव को वेबिनार के जरिए सदस्य नरियातकों से साझा किया।

वेबिनार के दौरान, सुश्री रुचि भांबरी, अतिथि संकाय ने सौर ऊर्जा के उपयोग और उसके महत्व के बारे में जानकारी दी। सौर्य ऊर्जा अब उपभोक्ताओं और व्यवसायों के लिए सबसे प्रभावी और स्वीकार्य विकल्प बन गयी है क्योंकि इस ऊर्जा से जुड़ी प्रौद्योगिकी सुधरने से इसकी लागत भी कम हो गई है। पारंपरिक ईंधन, तेल की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और भवष्य में इनमें तेजी की उम्मीद है ऐसे में सौर्य ऊर्जा से लाभ कमाने के कई अवसर उपलब्ध हो गये हैं। सुश्री भांबरी ने प्रतिभागियों को बताया कि सौर ऊर्जा आमतौर पर सूर्य से प्रकाश ऊर्जा को बजिली में परिवर्तित करके काम करती है। ये बजिली फोटोवोल्टिक (पीवी) ऊर्जा फ्लैट सौर पैनलों का उपयोग करके बनाई जाती है जिन्हें घरों की छत, संरचना पर लगाया जा सकता है या खुली जगहों पर रखा जा सकता है। एक अन्य विधि, जिसे थर्मल सोलर के रूप में जाना जाता है, उसमें पानी को भाप में बदलने के लिए सूर्य की ऊर्जा को एक बट्टि पर केंद्रित करने के लिए शीशों की एक श्रृंखला का उपयोग किया जाता है। भाप में परिवर्तित होते ही यही भाप टरबाइन को बदल देती है। उपभोक्ता और व्यावसायिक उपयोग के लिए, फोटोवोल्टिक सौर पैनल आजकल ज्यादा प्रचलित और लोकप्रिय है।

सुश्री भांबरी ने वेबिनार के दौरान आगे उल्लेख किया कि अधिकांश फैक्ट्रियां दिन के समय चलती हैं और टीओडी (टाइम ऑफ डे) शुल्क के अनुसार बजिली की लागत दोपहर में सबसे अधिक होती है और सौर ऊर्जा के जरिये सबसे ज्यादा बजिली पैदा करने के लिये भी यही सबसे अच्छा समय है। अगर कोई नरियातक अपने काम या बजिनेस का विस्तार करना चाहता है, तो उसे लोड बढ़ाने की जरूरत होती है इसके लिए नए केबल लगाने होंगी जिससे उसकी लागत बढ़ जाएगी, एसएलडीसी लागत और एक नशिचति रकिरगि लागत भी बढ़ जाएगी। व्यवसायी ये करने के बजाय वह एक सौर ऊर्जा संयंत्र जोड़ सकता है। इसके जरिए जहां सौर के माध्यम से अतिरिक्त लोड पावर हासिल हो सकेगा और इसके लिए कोई कोई अतिरिक्त लागत या कोई एमडीआई पेनाल्टी भी नहीं लगेगी। कारखानों में आमतौर पर छत बेकार ही रहती है उसका कोई उपोग नहीं होता है। ऐसे में ये छतें सौर संयंत्र स्थापना के लिए आदर्श स्थान बन जाती हैं। इस स्थापना से एक लाभ ये भी होगा कि यह नीचे के शेड में तापमान को भी कम करेगा।

Follow us on #epchindia



इस मौके पर ईपीसीएच के हाल में चेयरमैन रहे श्री रवी के पासी ने कहा कि अधिकांश राज्य सरकारें सौर पैनल उपयोग के ज्यादा से ज्यादा और व्यापक प्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए किसी प्रकार की सब्सिडी या अनुदान प्रदान करती हैं। नतीजतन, स्थापना के बाद की अंतिम लागत स्टकिंग की कीमत से भी कम हो सकती है।

ईपीसीएच के कार्यकारी निदेशक श्री आर के वर्मा ने कहा कि सौर ऊर्जा अधिक कफायती होती जा रही है। अब सूर्य की ऊर्जा को उपयोग योग्य बजिली में ज्यादा कुशलता से बदला जा सकता है। इसके साथ ही जो लोग सौर ऊर्जा में निवेश करना चाहते हैं उनके लिए भी यह एक अच्छा विकल्प है। लोग सौर्य ऊर्जा का लाभ लेकर अपने अपने घरों या व्यवसायों में सौर पैनल स्थापित कर अपने बजिली के बिल भी कम कर सकते हैं।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें:

ईपीसीएच - +91-98104 23612

Follow us on #epchindia

